**हिन्दी - विभाग**

**कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र**

**(प्रदेश विधायिका एक्ट 12ए 1956 के तहत स्थापित)**

**(‘प्रथम़ + श्रेणी’ रा.शै.मू.स.द्वारा प्रदत्त)**

**एम फिल हिंदी पाठयक्रम (वार्षिक प्रणाली - क्रेडिट बेस्ड सिस्टम) सत्र 2018-2019 से प्रभावी**

**परीक्षा की स्कीम**

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| **प्रश्न-पत्र** | **विषय** | **क्रेडिट**  | **शिक्षण****प्रति घंटा/ सप्ताह** | **परीक्षा की स्कीम****(अंक)** |
| **लिखित परीक्षा** | **आंतरिक मूल्यांकन** | **कुल अंक** |
| **प्रश्न-पत्र -01 एम फिल हिंदी के सभी छात्रों के लिए अनिवार्य है।** |
| हिन्दी-01 | शोध-प्रविधि एवं आलोचना | 4 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| **प्रश्न-पत्र -02 में निम्नलिखित पांच विकल्प होंगे। एम फिल हिंदी के छात्र किसी एक विकल्प का अध्ययन करेगा।** |
| हिन्दी-02-(क) | आदिकाल एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य का विशेष अध्ययन | 4 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| हिन्दी-02-(ख) | आधुनिक हिंदी काव्य का विशेष अध्ययन | 4 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| हिन्दी-02-(ग) | आधुनिक हिंदी गद्य का विशेष अध्ययन | 4 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| हिन्दी-02-(घ) | हिंदी भाषा का विशेष अध्ययन | 4 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| हिन्दी-02-(च) | भारतीय साहित्य का विशेष अध्ययन | 4 | 4 | 80 | 20 | 100 |
| सेमीनार और लघु शोध् प्रबन्ध् सभी **एम फिल हिंदी के** छात्रों के लिए अनिवार्य है। |
| हिन्दी-03 | **सेमीनार**-1-शोध-प्रविधि एवं आलोचना | 2×2 = 4 | 40×2 = 80 | 100 |
| **सेमीनार**-2 **(**वैकल्पिक विषय**)** |
|  | **दो प्रदत्त कार्य** (Assignments) | 10×2 = 20 |
| **कुल योग क्रेडिट/अंक** | **1**2 | **-** | **300** |
| - | लघु शोध् प्रबन्ध् (Dissertation) | - | - | - | - | ग्रेड प्रणाली |

 **पाठयक्रम एवं पाठय सामग्री**

**प्रश्न-पत्र :- हिन्दी-01-शोध-प्रविधि एवं आलोचना**

|  |  |
| --- | --- |
| क्रेडिटः 4समय : 3 घंटे  | कुल अंक: 100 लिखित परीक्षा: 80आंतरिक मूल्यांकन: 20 |

**निर्देशः** प्रश्न पत्र चार खंडों में में विभक्त होगा। प्रत्येक में से दो-दो प्रश्न परीक्षा में दिए जायेंगे, परीक्षार्थी को एक का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

**पाठ्य विषय**

**खंड (क) शोधः स्वरूप और प्रकृति**

शोध का अर्थ, स्वरुप और परिभाषा

शोध के उद्देश्य

शोध की विशेषताएँ

शोध की प्रेरणा, शोध दृष्टिकोण

शोधार्थी की विशेषताएँ,

शोध-निर्देशक की विशेषताएँ,

शोध-निर्देशक और शोधार्थी के बदलते संबंध

**खंड (ख) शोध की पद्धतियां**

(क). काव्यशास्त्रीय पद्धति

(ख). समाजशास्त्रीय पद्धति

(ग). भाषावैज्ञानिक पद्धति

(घ).शैली वैज्ञानिक पद्धति

(ङ). मनोवैज्ञानिक पद्धति

(च) तुलनात्मक पद्धति

(छ) ऐतिहासिक पद्धति

(ज)अंतर-अनुशासनात्मक शोध

(झ)आगमन -निगमन पद्धति

**खंड (ग) शोधः प्रक्रिया और प्रस्तुतिकरण**

शोध समस्या और शोध परिकल्पना में अंतर

शोध प्रारुपः उद्देश्य, भाग, विशेषताएँ और निर्धारक तत्व:

सामग्री संकलन, विश्लेषण और व्याख्या

शोध प्रबंध लेखनः पाद-टिप्पणी , संदर्भ ग्रंथ-सूची

**खंड (घ) साहित्यिक विमर्श और आलोचना पद्धतियां**

साहित्यिक शोध और साहित्यिक आलोचना के अंतःसंबध

**आलोचना पद्धतियाः** मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, मार्क्सवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक

**अस्मितामूलक साहित्यिक विमर्शः** दलित, स्त्री, आदिवासी

**सहायक पाठ्य सामग्रीः**

**1 विजयपाल सिंह, हिन्दी अनुसंधान**

**2 तिलक सिंह, नवीन शोध विज्ञान**

**3 विनयमोहन शर्मा, शोध प्रविधि**

**4 नगेन्द्र, अनुसंधान एवं आलोचना**

**5 बैजनाथ सिंहल, शोध - स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि**

**6 संभावना (शोधतन्त्र), हिन्दी विभाग, कु.वि. कुरुक्षेत्र।**

**7 मैथिली प्रसाद भारद्वाज, शोध प्रविधि, आधार प्रकाशन, पंचकूला।**

**8 निर्मला जैन, हिन्दी आलोचना का दूसरा पाठ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।**

**9 देवीशंकर अवस्थी, आलोचना और आलोचना, वाणी, नई दिल्ली**

**10 टेरी ईगलटन, मार्क्सवाद और साहित्यालोचना, आधार प्रकाशन, पंचकूला**

**11 शरणकुमार लिंबाले, दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, वाणी, नई दिल्ली**

**12 बजरंग बिहारी तिवारी, दलित साहित्यः एक अंतर्यात्रा**

**13 अनीता सिंह, दलित चेतना और हिन्दी साहित्य, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, दिल्ली।**

**14 महादेवी वर्मा, श्रृंखला की कड़ियां**

**15 सं. साधना आर्य, नारीवादी राजनीति संघर्ष एवं मुद्दे, हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली**

**16 रमणिका गुप्ता, आदिवासी साहित्य यात्रा**

**17 रमणिका गुप्ता, आदिवासीः शौर्य एवं विद्रोह**

**प्रश्न-पत्र :- हिन्दी-02-(क) - आदिकाल एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य का विशेष अध्ययन**

|  |  |
| --- | --- |
| क्रेडिटः 4समय : 3 घंटे  | कुल अंक: 100 लिखित परीक्षा: 80आंतरिक मूल्यांकन: 20 |

**निर्देशः** प्रश्न पत्र चार खंडों में में विभक्त होगा। प्रत्येक में से दो-दो प्रश्न परीक्षा में दिए जायेंगे, परीक्षार्थी को एक का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

**पाठ्य विषयः**

**खंड (क) प्राचीन काव्य**

आदिकालीन हिंदी काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

आदिकालीन हिंदी काव्य की विभिन्न काव्य धाराओं की विशिष्टता

आदिकाल के प्रमुख कवियों के काव्य का समीक्षात्मक अध्ययन ( विद्यापति, अमीर खुसरो, सरहपा, गोरखनाथ)

**खंड (ख) मध्यकालीन काव्य- निर्गुण धारा**

संत काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि व संत काव्य धारा की विशिष्टता

सूफी काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि व सूफी काव्य धारा की विशिष्टता

प्रमुख कवियों के काव्य का समीक्षात्मक अध्ययन ( कबीर, रैदास, दादू दयाल, मलिक मुहम्मद जायसी, कुतुबन)

**खंड (ग) मध्यकालीन काव्य- सगुण धारा**

कृष्ण काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि व संत काव्य धारा की विशिष्टता

राम काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि व सूफी काव्य धारा की विशिष्टता

प्रमुख कवियों के काव्य का समीक्षात्मक अध्ययन (सूरदास, तुलसीदास, मीरा, रसखान, नंददास)

**खंड (घ) रीतिकालीन काव्य**

रीतिकाल की वैचारिक पृष्ठभूमि

विभिन्न काव्य धाराओं की विशिष्टता

प्रमुख कवियों के काव्य का समीक्षात्मक अध्ययन ( केशव, मतिराम, बिहारी, घनानंद, भूषण )

**सहायक पाठ्य सामग्रीः**

**(नोटः पाठ्यक्रम में सम्मिलित कवियों की प्रमुख रचनाओं का अध्ययन)**

**1 हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, दिल्ली**

**2 हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना, 1961**

**4 हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1973**

**5 रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र साहित्य भवन इलाहाबाद**

**6 रामविलास शर्मा, लोक जागरण और हिन्दी जागरण साहित्य, वाणी, नई दिल्ली**

**7 सावित्री शोभा, हिन्दी भक्ति साहित्य में सामाजिक मूल्य एवं सहिष्णुतावाद**

**8 रामवृक्ष बेनीपुरी, विद्यापति पदावली**

**9 कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी**

**10 दादूदयाल, परशुराम चतुर्वेदी, नागरी प्रचारिणी सभा**

**11 जायसी ग्रन्थावली, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी**

**12 तुलसीदास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, राधाकृष्ण, नई दिल्ली**

**13 रसखान, देवेन्द्र प्रताप उपाध्याय, आनन्द पुस्तक भवन, वाराणसी**

**14 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, भ्रमरगीत सार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।**

**15 भोलानाथ तिवारी, अमीर खुसरो और उनका हिन्दी साहित्य, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली**

**16 केशव ग्रन्थावली, विश्वनाथ प्रसाद मित्र, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद**

**17 मतिराम ग्रन्थावली, कृष्ण बिहारी**

**18 बिहारी, विश्वनाथ मिश्र, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी**

**19 घनानन्द कवित, सं. विश्वविद्यालय प्रसाद मिश्र, सरस्वती मन्दिर, वाराणसी**

**20 भूषण ग्रन्थावली, सं. श्यामबिहारी मिश्र, पं. शुकदेव बिहारी मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी**

**प्रश्न-पत्र :- हिन्दी-02-(ख) - आधुनिक हिंदी काव्य का विशेष अध्ययन**

|  |  |
| --- | --- |
| क्रेडिटः 4समय : 3 घंटे  | कुल अंक: 100 लिखित परीक्षा: 80आंतरिक मूल्यांकन: 20 |

**निर्देशः** प्रश्न पत्र चार खंडों में में विभक्त होगा। प्रत्येक में से दो-दो प्रश्न परीक्षा में दिए जायेंगे, परीक्षार्थी को एक का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

**पाठ्य विषयः**

**खंड (क) भारतेंदु व द्विवेदीयुगीन हिंदी काव्य**

आधुनिक हिंदी काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

भारतेंदु व द्विवेदीयुगीन हिंदी काव्य की विशिष्टता

प्रमुख कवियों के काव्य का समीक्षात्मक अध्ययन (भारतेंदु, मैथिलीशरण गुप्त, अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध)

**खंड (ख) छायावाद**

छायावाद की वैचारिक पृष्ठभूमि

छायावादी काव्य की विशिष्टता

प्रमुख कवियों के काव्य का समीक्षात्मक अध्ययन (जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत)

**खंड (ग) प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता**

प्रगतिवादी काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि व विशिष्टता

प्रयोगवादी काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि व विशिष्टता

नई कविता की वैचारिक पृष्ठभूमि व विशिष्टता

प्रमुख कवियों के काव्य का समीक्षात्मक अध्ययन (नागार्जुन, हीरानंद सच्चिदानंद वात्स्यायन अज्ञेय, गजानन माधव मुक्तिबोध)

**खंड (घ) समकालीन कविता**

समकालीन कविता की वैचारिक पृष्ठभूमि

विभिन्न काव्य आंदोलन व उनकी विशिष्टता

प्रमुख कवियों के काव्य का समीक्षात्मक अध्ययन (श्यामाप्रसाद पाण्डेय धूमिल, रघुवीर सहाय, कुंवर नारायण)

**सहायक पाठ्य सामग्रीः**

**नोटः (पाठ्यक्रम में सम्मिलित कवियों की प्रतिनिधि काव्य रचनाओं का अध्ययन)**

**1 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, बाबू ब्रजरत्न दास**

**2. रामविलास शर्मा,भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं**

**3. छायावाद, नामवर सिंह**

**4. निराला की साहित्य साधना, डॉ. रामविलास शर्मा**

**5. सुमित्रानन्दन पंत, डॉ. नगेन्द्र प्रयाग**

**6. मुक्तिबोध, नयी कविता का आत्मसंघर्ष**

**7. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, समकालीन हिंदी कविता**

**8. कुमारेंद्र पारसनाथ सिंह, कविता का संघर्ष**

**9. रामस्वरूप चतुर्वेदी नयी कविता का एक साक्ष्य**

**10. मैनेजर पांडेय, हिंदी कविता का अतीत और वर्तमान**

**11.** [**नन्दकिशोर नवल**](https://www.pustak.org/index.php/books/authorbooks/Nandkishore%20Naval)**, हिंदी कविता अभी बिल्कुल अभी**

**12. डा. नगेंद्र, आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृतियां**

**13. भगवत रावत, कविता का दूसरा पाठ और प्रसंग**

**14. शिवकुमार मिश्र, आधुनिक कविता और युग संदर्भ**

**15. परमानंद श्रीवास्तव, कविता का अर्थात**

**प्रश्न-पत्र :- हिन्दी-02-(ग) - आधुनिक हिंदी गद्य का विशेष अध्ययन**

|  |  |
| --- | --- |
| क्रेडिटः 4समय : 3 घंटे  | कुल अंक: 100 लिखित परीक्षा: 80आंतरिक मूल्यांकन: 20 |

**निर्देशः** प्रश्न पत्र चार खंडों में में विभक्त होगा। प्रत्येक में से दो-दो प्रश्न परीक्षा में दिए जायेंगे, परीक्षार्थी को एक का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

**पाठ्य विषयः**

**खंड (क) हिंदी गद्य – कथा साहित्य**

हिंदी उपन्यास की वैचारिक पृष्ठभूमि और विकास

हिंदी कहानी की वैचारिक पृष्ठभूमि और विकास परमानन्द श्रीवास्तव, कहानी की रचना प्रक्रिया

प्रमुख कथाकारों के कथा-साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन ( प्रेमचंद, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी)

**खंड (ख) हिंदी गद्य – नाटक और रंगमंच**

हिंदी नाटक की वैचारिक पृष्ठभूमि और विकास

हिंदी रंगमंच की वैचारिक पृष्ठभूमि और विकास

प्रमुख नाटककारों के नाटक व रंगमंच का समीक्षात्मक अध्ययन (भारतेंदु हरिश्चंद्र, मोहन राकेश, सुरेंद्र वर्मा)

**खंड (ग) हिंदी गद्य – निंबंध और पत्रकारिता**

हिंदी निंबंध की वैचारिक पृष्ठभूमि और विकास

हिंदी पत्रकारिता की वैचारिक पृष्ठभूमि और विकास

प्रमुख निबंधकारों के साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन ( बालमुकुंद गुप्त, रामचंद्र शुक्ल, हरिशंकर परसाई)

**खंड (घ) हिंदी गद्य – आत्मकथा, जीवनी और संस्मरण**

हिंदी आत्मकथा की वैचारिक पृष्ठभूमि और विकास

हिंदी जीवनी की वैचारिक पृष्ठभूमि और विकास

प्रमुख आत्मकथा, जीवनी व संस्मरण लेखकों के साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन (महादेवी वर्मा, विष्णु प्रभाकर, ओमप्रकाश बाल्मीकि)

**सहायक पाठ्य सामग्रीः**

**(नोट- पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों की प्रमुख कृति का अध्ययन)**

**1 रामविलास शर्मा, प्रेमचन्द और उनका युग**

**2 प्रेमचन्द और भारतीय किसान, प्रो. रामबक्ष**

**3 .बच्चन सिंह, उपन्यास का काव्यशास्त्र**

**4. गोपाल राय, उपन्यास की संरचना**

**5 डॉ. मधुरेश, हिन्दी कहानी का विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।**

**6 राजेन्द्र यादव, कहानी: अनुभव और अभिव्यक्ति, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**

**7 वैभव सिंह, भारतीय उपन्यास और आधुनिकता, आधार प्रकाशन, पंचकूला**

**8 डॉ. मधुरेश, हिन्दी उपन्यास का विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली**

**9 जयदेव तनेजा, हिन्दी रंगमंच, दशा और दिशा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली**

**10 बच्चन सिंह, साहित्यिक निबन्ध आधुनिक दृष्टिकोण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**

**11 जगदीशवर चतुर्वेदी, हिंदी पत्रकारिता का इतिहास**

**12 प्रो. शंभुनाथ, हिंदी पत्रकारिता : हमारी विरासत**

**13 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं, रामविलास शर्मा**

**14 बालमुकुंद गुप्त एवं श्रेष्ठ निबन्ध, सं. सत्यप्रकाश मिश्र, लोकभारती, इलाहाबाद।**

**15. पंकज चतुर्वेदी, आत्मकथा की संस्कृति**

**प्रश्न-पत्र :- हिन्दी-02-(घ) - हिंदी भाषा का विशेष अध्ययन**

|  |  |
| --- | --- |
| क्रेडिटः 4समय : 3 घंटे  | कुल अंक: 100 लिखित परीक्षा: 80आंतरिक मूल्यांकन: 20 |

**निर्देशः** प्रश्न पत्र चार खंडों में में विभक्त होगा। प्रत्येक में से दो-दो प्रश्न परीक्षा में दिए जायेंगे, परीक्षार्थी को एक का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

**पाठ्य विषयः**

**खंड (क) हिंदी भाषाः स्वरूप और विकास**

हिंदी भाषा का स्वरूप और प्रकृति

हिंदी भाषा का विकास में लौकिक संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश का योगदान

हिंदी की बोलियां ( ब्रज, अवधी, मैथिली)

**खंड (ख) मानक हिंदी**

ध्वनि, शब्द और वाक्य संरचना

देवनागरी लिपि

खड़ी बोली का परिचय व विकास

**खंड (ग) हिंदी और हिंदी आंदोलन**

स्वतंत्रता पूर्व के हिंदी आंदोलन

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी आंदोलन

हिंदी की वैश्विक स्थिति

**खंड (घ) राजभाषा हिंदी**

हिंदी की सांविधानिक स्थिति

राजभाषा हिंदीः उपलब्धियां और चुनौतियां

हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

 **सहायक पाठ्य सामग्रीः**

**1 किशोरदास वाजपेयी, हिन्दी शब्दानुशासन, काशी**

**2 श्याम सुन्दर दास, हिन्दी भाषा और साहित्य, प्रयाग।**

**3 रामविलास शर्मा, भाषा और समाज**

**4 रामविलास शर्मा, हिन्दी आर्य भाषाएं और हिन्दी**

**5. भोलानाथ तिवारी हिंदी भाषा का विकास**

**6. परमानंद पांचाल,** [**हिंदी भाषा, राजभाषा और लिपि**](http://pustak.org/books/bookdetails/9022)

**7 पं. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, पुरानी हिन्दी**

**8 डॉ. राजमणि शर्मा, हिन्दी भाषा: इतिहास और स्वरूप**

**9. भोलानाथ तिवारी, राजभाषा हिंदी**

**10 पाण्डुरंग दामोदर गुणे, तुलनात्मक भाषा विज्ञान**

**11 विनोद कुमार प्रसाद, भाषा और प्रौद्योगिकी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।**

**12 शंकर दयाल सिंह, हिन्दी राष्ट्रभाषा, राजभाषा, जनभाषा, किताबघर, नई दिल्ली**

**13 डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू, मीडिया और हिन्दी, वैश्वीकृत प्रयोजनमूलक प्रयोग, वाई किंग बुकस, जयपुर**

**14. सूर्य प्रसाद दीक्षित, संचार भाषा हिंदी**

**15. भोलानाथ तिवारी, सामान्य हिंदी**

प्रश्न-पत्र :- हिन्दी-02-(च) - भारतीय साहित्य का विशेष अध्ययन

|  |  |
| --- | --- |
| क्रेडिटः 4समय : 3 घंटे  | कुल अंक: 100 लिखित परीक्षा: 80आंतरिक मूल्यांकन: 20 |

**निर्देशः** प्रश्न पत्र चार खंडों में में विभक्त होगा। प्रत्येक में से दो-दो प्रश्न परीक्षा में दिए जायेंगे, परीक्षार्थी को एक का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

**पाठ्य विषयः**

**खंड (क) भारतीय काव्य**

भारतीय कविता के विकास व परिदृश्य का सामान्य परिचय

रवींद्रनाथ टैगोर (बंगला) व हाली पानीपती (उर्दू) के काव्य का अध्ययन

**खंड (ख) भारतीय कथा**

भारतीय कथा के विकास व व परिदृश्य का सामान्य परिचय

गुरदयाल सिंह (पंजाबी) व यू. आर. अनन्तमूर्ति (कन्नड़) के गद्य का अध्ययन

**खंड (ग) भारतीय नाटक**

भारतीय नाटक के विकास व व परिदृश्य का सामान्य परिचय

कालिदास (संस्कृत) व गिरीश कार्नाड (मराठी) के नाटक का अध्ययन

**खंड (घ) भारतीय साहित्य आलोचना**

भारतीय आलोचना के विकास व व परिदृश्य का सामान्य परिचय

भरतमुनि (संस्कृत) व रामचंद्र शुक्ल (हिंदी) के आलोचना का अध्ययन

 **सहायक पाठ्य सामग्रीः**

**नोटः (रवींद्रनाथ टैगोर, हाली पानीपती, गुरदयाल सिंह, यू. आर. अनन्तमूर्ति, कालिदास, गिरीश कार्नाड, भरतमुनि व रामचंद्र शुक्ल किसी एक रचना का अध्ययन)**

**1 डॉ. नगेन्द्र, भारतीय साहित्य, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली**

**2 डॉ. रामछबीला त्रिपाठी, भारतीय साहित्य वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**

**3. डा. मूलचंद गौतम, भारतीय साहित्य**

**4. डा. सियाराम तिवारी, भारतीय साहित्य की पहचान**

**5. डा. नगेंद्र, भारतीय साहित्य कोश**

**6. के. सच्चिदानंद, भारतीय साहित्यः स्थापनाएं और प्रस्तावनाएं**

**7. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, भारतीय साहित्य**

**8. श्याम परमार, भारतीय लोक साहित्य**

**9. डा. रामविलास शर्मा, भारतीय साहित्य की भूमिका**

**10. प्रदीप श्रीधर, भारतीय साहित्य अध्ययन की दिशाएं**